विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक – १४ -०६ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज अव्यय के बारे में अध्ययन करेंगे।

पिछले दिन भी हमलोग अध्ययन किए थे आज उसके आगे अध्ययन करेंगे।

रीतिवाचक क्रिया विशेषण

जो क्रिया विशेषण शब्द क्रिया के होने की रीति की विशेषता का बोध कराते उन्हें रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं। जैसे-

- मैं **ध्यान पूर्वक** सुन रहा हूं
- गाड़ी **तेज** चल रही है
- राकेश **भली-भांति** रह रहा है
- वह **चुपके से** खा रहा है
- मोहन **तेज** दौड़ता है
- वह अवश्य **आएगा**
- शायद वह नहीं **जाएगा**
- शोर **मत** करो
- आप कब तक **रुकेंगे**

प्रकार के अर्थ में - सा, अचानक, यथाशक्ति, सहसा, धीरे-धीरे, अकस्मात, आप ही आप , एकाएक ,जैसा

निश्चय के अर्थ में - सचमुच, यथार्थ में, जरूर, अवश्य, बेशक, निसंदेह, दरअसल आदि

निश्चय के अर्थ में - यथासंभव, संभवत, शायद ,कदाचित ,बहुत करके मुमकिन है आदि

स्वीकार के अर्थ में - हां, जी, ठीक, अच्छा, सच, बिल्कुल ठीक, जरूर आदि

कारण के अर्थ में - क्योंकि, अतः ,अतएव , के निमित्त , के उद्देश्य से , किस लिए आदि

निषेध के अर्थ में - ना ,नहीं, मत, ना आदि
प्रश्न के अर्थ में - कैसे, क्यों आदि।

सम्बन्धबोधक अव्यय

वे अविकारी शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ आकर उनका संबंध वाक्य तथा अन्य शब्दों के साथ जोड़ देते हैं जैसे -

- वह डर **के मारे** कापता है
- राम अपने भाई **के साथ** जायेगा
- धन **के बिना** व्यक्ति का जीवन व्यर्थ है
- रेलगाड़ी **पटरी पर** चलती है।
- घर **के भीतर** जाओ
- अध्यापक ग्लोबल वार्मिंग **के बारे में**पढ़ाएंगे

उपर्युक्त शब्द के बिना ,के मारे, के भीतर, आदि का संबंध पूरे वाक्य से जुड़ रहा है। अतः सभी संबंधबोधक अव्यय है।

अगर इन अव्यय को वाक्य से हटा दिए जाएं तो वाक्य अर्थहीन हो जाता है।